

## बिहार विधान सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार, तिथि १३ मार्च १९५६, को ११ वजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

### SHORT-NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

ऊख ढोने की व्यवस्था।

२२०। श्री चेतू राम—क्या मंत्री, विकास (ईख) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे

कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया जिला अन्तर्गत काशीचक स्टेशन पर ऊख ढोने के वास्ते पाइलट नहीं दी जाती है ;

(२) क्या यह बात सही है कि गया से बारसलीगंज पाइलट रोज आया जाया करती है ;

(३) क्या यह बात सही है कि काशीचक के रेरीआ के किसानों का ऊख पाइलट नहीं जाने की वजह से यूँ ही पड़ा है और करीब-करीब ४७५ एकड़ का ऊख खेतों में पड़ा है ;

(४) क्या यह बात सही है कि सप्ताह में दो रोज ऊख ढोने के लिए रेल का डब्बा मिलता है ;

(५) क्या यह बात सही है कि किसानों को ऊख ठीक समय पर नहीं लेने से क्षति उठानी पड़ती है, यदि हाँ, तो सरकार जल्द-से-जल्द काशीचक स्टेशन तक पाइलट भेजकर किसानों के ऊख बारसलीगंज मोहनी सुगर मिल में पहुँचाने की व्यवस्था करने का विचार करती है, यदि हाँ, तो कब तक, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(१) उत्तर नकारात्मक है। काशीचक स्टेशन से ईख ढोने के लिए एक पाइलट ६ मार्च १९५६ से चल रही है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) प्रश्न नहीं उठता। ऐसी बात नहीं है कि इस क्षेत्र में इतना ज्यादा ईख है।

(४) उत्तर नकारात्मक है। ऊख ढोने के लिए रेलवे अधिकारी डब्बा दे रहे हैं और ऐसी उम्मीद की जाती है कि उस क्षेत्र का सारा गन्ना मिल द्वारा ले लिया जायगा।

(५) इसकी व्यवस्था सरकार द्वारा की गई है और ६ मार्च १९५६ से पाइलट चल रही है। जैसा कि पहले कहा जा चुका है सरकार ने किसानों के लिए समुचित प्रबंध कर लिया है और काशीचक स्टेशन तक पाइलट चलाने का प्रबंध कर दिया गया है जिससे उस क्षेत्र के किसानों का सारा गन्ना समय पर मिल में चला जायगा।

मैनेजर का पद १५०—१०—३५० रु० के वेतनमान पर द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित हुआ है।

#### SUGAR MILL AT COLGONG.

\*1158. **Shri RAM JANAM MAHTO :-** Will the Development (Co-operative) Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that the Co-operative Societies in Bhagalpur District made a representation to the Government to start a sugar mill in Colgong of Bhagalpur district to be run on co-operative basis ;

(2) whether it is a fact that sugarcane is grown in abundance in the vicinity of Colgong ;

(3) whether it is a fact that communication facilities through road, rail and water are available at Colgong ;

(4) whether it is a fact that the people are ready to purchase shares necessary for starting a sugar mill at Colgong on co-operative basis ;

(5) if the answer to the above clauses be in affirmative whether a sugar mill will be started at Colgong, if so, when, if not, why ?

श्री दीप नारायण सिंह—(१) उत्तर नकारात्मक है।

(२) उस इलाके में काफी गन्ने की खेती होती है।

(३) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(४) सरकार को इस सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं है।

(५) अभी सरकार के सामने कहलगांव (कोलगोंग) में कोई सूगर फैक्ट्रीज खोलने का विचार नहीं है।

श्री राम जनम महतो—क्या सहकारी संस्था के द्वारा मंत्री महोदय के पास कोई

मैमोरेण्डम आया है ?

श्री दीप नारायण सिंह—अभी तक सरकारी संस्था की तरफ से कोई मैमोरेण्डम

नहीं आया है।

श्री राम जनम महतो—कोई किस्म का मैमोरेण्डम मंत्री महोदय के पास आया है

या नहीं ?

श्री दीप नारायण सिंह—इसके सम्बन्ध में मुझे नोटिस की आवश्यकता है।

श्री पशुपति सिंह—क्या सरकार जांच करायगी कि कहलगांव में ऊख की मिल खोली

जा सकती है या नहीं चूंकि वहां काफी गन्ने की खेती होती है ?

श्री दीप नारायण सिंह—मैंने अभी बताया है कि उस इलाके में काफी गन्ने की खेती होती है, लेकिन यह सवाल अभी सरकार के सामने नहीं है कि उस इलाके में मिल खोली जाय या नहीं।

श्री पुरुषोत्तम चौहान—उपाध्यक्ष महोदय, मैं पूछना चाहता हूँ कि चीनी मिल खुल जाने के बाद वह मिल इन्डस्ट्रीज डिपार्टमेंट में रहेगी या को-ऑपरेटिव डिपार्टमेंट में रहेगी ?

उपाध्यक्ष—इस प्रश्न का उत्तर अनावश्यक है।

श्री जगन्नाथ सिंह—मैं यह जानना चाहता हूँ कि सरकार की नीति को-ऑपरेटिव मिल खोलने की है या नहीं ?

उपाध्यक्ष—इसके लिए अलग प्रश्न चाहिए।

#### RESEARCH AND EXPERIMENTAL INSTITUTES.

\*1162. **Shri JAMUNA PRASAD SINGH** : Will the Minister in charge of the Development (Industries) Department be pleased to state—

(1) whether the Government have been able to fix up any kind of small-scale industries likely to be taken up during the course of next Five-Year Plan in the villages;

(2) whether any of those industries has the possibility of being worked by power, if so, what steps Government have taken or will take to provide tools, machines, etc., for them;

(3) whether Government propose to open research and experimental institutes for this purpose, if not, why?

**Shri MAHESH PRASAD SINHA** : (1) The answer is in the affirmative.

(2) It is intended to encourage the use of power by small-scale industrial units. Industries will be given machineries and tools on hire purchase terms, or in the alternative, they may take loans up to 70 per cent of their total capital requirements. Technical advice on the choice of installation of machineries will be available from the Industries Department of the State Government and also from the Small Industries Service Institute to be established by the Government of India.

(3) The Government of India is shortly establishing a branch of Small Industries Service Institute for Bihar at Patna, whose functions will include the adoption of techniques and methods of